बिहार विधान परिषद् दैनिक विवरणिका

संख्या- 1 सत्र- 189वां

सदन की कार्यवाही का संक्षिप्त अभिलेख
शुक्रवार, दिनांक 20.7. 2018 ई.

माननीय कार्यकारी सभापति श्री मो. हारूण रशीद की अध्यक्षता में सदन की कार्यवाही आरंभ हुई।

11.00 पूर्वाह्न से 11.30 पूर्वाह्न तक

1. आसन को धन्यवाद ज्ञापन

सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही माननीय सदस्य, डा. दिलीप कुमार चौधरी ने आसन को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने विधान परिषद् के सदन में माननीय सदस्यों को सुनने के लिए माईक और लाईट की जो व्यवस्था की है, इसके लिए विधान परिषद् के सभी माननीय सदस्यों की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद। सदन के माननीय सदस्यों ने मेजें थपथपाकर इसका स्वागत किया।

2. माननीय कार्यकारी सभापति महोदय द्वारा बिहार विधान परिषद् के 189वें सत्र के अवसर पर प्रारंभिक संबोधन

माननीय कार्यकारी सभापति महोदय ने बिहार विधान परिषद् के 189वें सत्र का शुभारंभ करते हुए अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा कि माननीय नेता, सत्तारूढ़ दल, माननीय नेता, विरोधी दल, विभिन्न दलों के नेतागण, मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यगण, बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण !

बिहार विधान परिषद् का 189वां सत्र आज से प्रारंभ हो रहा है। इस अवसर पर मैं माननीय मुख्यमंत्री, माननीय उप मुख्यमंत्री, माननीय संसदीय कार्य मंत्री एवं मंत्रिपरिषद् के माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूं। बिहार विधान परिषद् के विभिन्न दलों के माननीय नेतागण, माननीय सचेतकगण तथा माननीय सदस्यगण का हार्दिक स्वागत करता हूं। साथ ही, लोकतंत्र के सजग प्रहरी प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार-छायाकार प्रतिनिधियों का भी स्वागत करता हूं।

बिहार विधान परिषद् के इस मॉनसून सत्र में कुल 5 बैठकें होंगी। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमेशा की तरह इस सत्र में भी जनता के हितों से जुड़े मामले एवं राज्य के विकास से जुड़े ज्यादा-से-ज्यादा विषयों को सदन के पटल पर लाया जाएगा। मुझे यह भी भरोसा है कि माननीय सदस्यगण अपनी सक्रिय और ओजपूर्ण भागीदारी से इस सत्र को अधिक-से-अधिक सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा करेंगे। लोकहित, राज्यहित और राष्ट्रहित के प्रति हमारी जिम्मेदारियां और भी अधिक हैं।

बिहार विधान परिषद् के 10 (दस) नवनिर्वाचित माननीय सदस्यों ने दिनांक 7 मई, 2018 को शपथ लिया जिनमें श्री खालीद अनवर, श्री नीतीश कुमार, श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा, श्रीमती राबड़ी देवी, श्री रामचन्द्र पूर्वे, श्री रामईशबर महतो, श्री संजय पासवान, श्री सुशील कुमार मोदी, श्री सैयद खुर्शीद मोहम्मद मोहसीन तथा श्री संतोष कुमार सुमन हैं जबकि दिनांक 21 मई, 2018 को श्री मंगल पाण्डेय जी ने शपथ ग्रहण किया।

इन सभी 11 (ग्यारह) नवनिर्वाचित माननीय सदस्यों को मैं अपनी ओर से एवं सदन की ओर से हार्दिक बधाई देता हूं।

(मेजें थपथपाकर माननीय सदस्यों द्वारा स्वागत)

नवनिर्वाचित माननीय सदस्यों में बिहार के माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय उप मुख्यमंत्री के अतिरिक्त कुछ पुराने सदस्य हैं तथा कुछ नए सदस्य हैं। नए सदस्यों से मेरा अनुरोध है कि वे सदन के कार्य संचालन एवं संसदीय परम्पराओं के बारे में पूरी तरह से वाकिफ हों ताकि उन्हें संसदीय कार्यों को सम्पन्न करने में सुविधा होगी।

सर्वविदित है कि बिहार विधान परिषद् हमेशा से ही जनोन्मुखी होकर अपने संसदीय दायित्वों का निर्वहन करती आ रही है। हम इस गणतांत्रिक विरासत को अपनी नई

पीढ़ी को सौंपने के लिए हमेशा तत्पर रहे हैं। बिहार विधान परिषद् की यह भी अटूट परंपरा है कि हम यहां सदैव उन सभी विषयों पर बहस करते हैं, जिनसे जन-समस्याओं को दूर करने में सरकार को मदद मिलती है। यही हम सबका रचनात्मक दायित्व भी है।

4 जुलाई, 2018 को उड़ीसा विधान सभा की एक उच्च स्तरीय समिति बिहार विधान परिषद् की अध्ययन यात्रा पर आई थी। उड़ीसा सरकार के माननीय वाणिज्य एवं परिवहन मंत्री, डॉ. नरसिंह चरण साहू जी की अध्यक्षता में उड़ीसा विधान सभा की माननीय सदस्या, श्रीमती प्रमिला मल्लिक एवं माननीय सदस्य, श्री मनोहर रंधारी समिति में सम्मिलित थे।

उक्त समिति के सहयोग हेतु उनके चार वरिष्ठ पदाधिकारी भी साथ आए थे। बैठक में समिति के सदस्यों ने बिहार विधान परिषद् के गठन से लेकर उसकी कार्य संचालन नियमावली तक की जानकारी प्राप्त की।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के मार्गदर्शन में चल रही सरकार ने कई अभूतपूर्व रचनात्मक एवं लोककल्याणकारी कार्य किए हैं। शराबबंदी, दहेज प्रथा निषेध, बाल-विवाह पर रोक आदि ऐसे कुछ महत्वपूर्ण निर्णय हैं, जो ऐतिहासिक हैं, जिनकी चर्चा भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी हो रही है। श्री नीतीश कुमार जी के संरक्षण में विगत कुछ वर्षों में बिहार में आधारभूत संरचनाओं का जाल-सा बिछाया गया है। पटना संग्रहालय, सभ्यता द्वार, ज्ञान भवन, बुद्धस्मृति पार्क आदि इन्हीं संरचनाओं के नायाब नमूने हैं।

बिहार सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा मेधावृत्ति दी जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के शैक्षणिक उत्थान के लिए राज्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के द्वारा 80 आवासीय विद्यालयों तथा 13 नए आवासीय विद्यालयों में सैकड़ों नए पदों का सृजन कर शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की बहाली की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, मल्लाह (निषाद) को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुशंसा भी की गई है।

इन कार्यों के लिए हम सभी बिहार सरकार की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हैं।

बिहार सरकार ने अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याण हेतु कई योजनाओं को लाया है जिसके लिए हम सभी माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रशंसा करते हैं।

(सत्तापक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाकर स्वागत)

ये योजनाएं हैं :--

-- बिहार राज्य मदरसा बोर्ड से स्वीकृत मदरसों में शैक्षणिक सुधार के लिए राजकीय निधि से आधारभूत सुविधा जैसे कक्षा रूम, पुस्तकालय, उपस्कर, पीने का पानी एवं शौचालय इत्यादि की व्यवस्था के लिए नई योजनाएं।

-- जिला स्तर पर वक्फ की जमीन पर बहुमंजिला भवन का निर्माण जिसमें वक्फ समिति का कार्यालय, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, उद्यमिता विकास केन्द्र एवं कोचिंग सेन्टर इत्यादि का प्रावधान।

-- अल्पसंख्यकों के धुनिया, रंगरेज, दर्जी जैसे पिछड़े वर्ग के लिए विशेष योजनाएं।

समय-समय पर प्रदेश और देश स्तर के हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अपना दमखम दिखाते रहे हैं। अभी हाल में, असम की 'गोल्डन गर्ल' सुश्री हिमा दास, आई.ए.ए.एफ विश्व अंडर-20 के 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीती हैं। सुश्री दास ने विश्व में भारत का मस्तक ऊंचा किया है। मैं अपनी तथा सदन की ओर से सुश्री हिमा दास को हार्दिक बधाई देता हूं।

(सदन के माननीय सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाकर स्वागत)

पिछले सत्रों की तरह इस सत्र में भी परिषद् सचिवालय के पदाधिकारी-कर्मचारीगण तथा मीडिया के प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग पाने की मैं अपेक्षा रखता हूं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आप सभी का स्वागत करता हूं।

धन्यवाद !

(मेजें थपथपाकर स्वागत)

3. माननीय कार्यकारी सभापति महोदय द्वारा 189वें सत्र के लिए अध्यासीन सदस्यों की तालिका की घोषणा

माननीय कार्यकारी सभापति महोदय ने बिहार विधान परिषद् की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 10 के अंतर्गत बिहार विधान परिषद् के 189वें सत्र के लिए निम्नांकित माननीय सदस्यों को अध्यासीन सदस्य मनोनीत करने की घोषणा की-

1. श्री केदार नाथ पाण्डेय
2. डा. रामवचन राय
3. प्रो. नवल किशोर यादव
4. डा. मदन मोहन झा

4. वित्तीय वर्ष 2018-19 की प्रथम अनुपूरक व्यय-विवरणी का उपस्थापन

माननीय मंत्री, श्री मंगल पाण्डेय द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 की प्रथम अनुपूरक व्यय-विवरणी की एक प्रति सदन की मेज पर रखी गई।

5. शोक-प्रकाश

1. स्वर्गीय सामू चरण तुविद
2. स्वर्गीय राजकुमार महासेठ
3. स्वर्गीया पद्माशा झा
4. स्वर्गीय ललितेश्वर प्रसाद शाही
5. स्वर्गीय कामेश्वर पासवान
6. स्वर्गीय बागुन सुम्ब्रई
7. स्वर्गीय ऋषिकेश तिवारी
8. स्वर्गीय प्रेम प्रदीप
9. स्वर्गीय नील मोहन सिंह
10. स्वर्गीय गोपाल दास नीरज

तदुपरांत माननीय कार्यकारी सभापति महोदय ने इन दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी ओर से एवं सदन की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक-संतप्त परिवारों को धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

(तत्पश्चात् दिवंगत आत्माओं की चिर-शांति हेतु सदन में
एक मिनट मौन खड़े रहकर ईश्वर से प्रार्थना की गई।)

माननीय कार्यकारी सभापति महोदय ने सचिव को यह निदेश देने की कृपा की कि शोक-प्रकाश की प्रति शोक-संतप्त परिवारों को भेज दी जाए।

तत्पश्चात् परिषद् की बैठक सोमवार, दिनांक 23.7.2018 को 12.00 मध्याह्न तक के लिए स्थगित हुई।

20/07/2018

(सुभीम शर्मा)
मुख्य प्रतिवेदक,
बिहार विधान परिषद्।

ज्ञापांक- 1187 (3)/वि.प. पटना, दिनांक 20.7.2018

प्रतिलिपि : बिहार विधान परिषद् के माननीय सदस्यगण/ माननीय मुख्यमंत्री सहित अन्य माननीय मंत्रीगण/ महामहिम राज्यपाल के सचिव, बिहार/ माननीय महाधिवक्ता, बिहार/ माननीय लोकायुक्त, बिहार/ बिहार सरकार के सभी विभाग तथा विभागाध्यक्ष/ सभी राज्यों के विधानमंडलों के सचिव/ लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय, नई दिल्ली/ विधि मंत्रालय, नई दिल्ली/ पुस्तकालयाध्यक्ष, संसद भवन, नई दिल्ली/ बिहार विधान मंडल पुस्तकालय, पटना/ निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार/ अधिष्ठान निदेशक, आकाशवाणी, पटना/ समाचार संपादक, दूरदर्शन केन्द्र, पटना/ सचिव, बिहार विधान सभा को सूचनार्थ प्रेषित।

प्रमोद कुमार
20-07-2018

(प्रमोद कुमार)
वरीय प्रतिवेदक,
बिहार विधान परिषद्।